ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

2022

PĀLI LANGUAGE AND LITERATURE

पालि भाषा और साहित्य

Time Allowed : 3 hours | *Maximum Marks* : 300

समय : 3 घण्टे | *पूर्णांक* : 300

Instructions :

- The figures in the margin indicate full marks.
- Answer All questions.
- Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
- All questions have been printed both in English and Hindi. In case of any ambiguity in Hindi version, the English version shall be considered authentic.
- Parts of the same question must be answered together and must not be interposed between answers to other questions.

अनुदेश :

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- सभी प्रश्न अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषा में छपे हैं। यदि हिन्दी भाषा में कोई संदेह है, तो अंग्रेजी भाषा को ही प्रामाणिक माना जाएगा।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जाएँ।

SECTION—I

खण्ड—I

1. Answer the following short answer-type questions : 10×5=50

निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) How many vowels are there in Pāli? Which Sanskrit vowels have been replaced in Pāli and how?

पालि में कितने स्वर हैं? पालि में कौन-से संस्कृत स्वरों को प्रतिस्थापित किया गया है और कैसे?

(b) Discuss the characteristics of Pāli as a Middle Indo-Aryan language.

पालि की एक मध्य इंडो-आर्यन भाषा के रूप में विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(c) Who was Buddhaghosa? Critically describe his contribution to the Pali-aṭṭhakathā literature.

बुद्धघोस कौन थे? पालि-अट्ठकथा साहित्य में उनके योगदान का समालोचनात्मक वर्णन कीजिए।

(d) Who was Saṅgharakkhita? Estimate his contribution in the field of Pāli prosody and rhetoric.

सङ्घरक्खित कौन थे? पालि छंद और अलंकार के क्षेत्र में उनके योगदान का आकलन कीजिए।

(e) Describe the Citta on the basis of the Abhidhammatthasaṅgaho.

अभिधम्मत्थसङ्गहो के आधार पर चित्त का वर्णन कीजिए।

2. Define Samāsa and its kind in Pāli with appropriate examples. 50

पालि में समास और उसके प्रकार को उचित उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

What is *Niggahīta*? How is it treated in the Pāli grammar? Show with examples different types of Niggahīta Sandhi in Pāli.

'निग्गहीत' क्या है? इसे पालि व्याकरण में कैसे माना जाता है? पालि में निग्गहीत सन्धि के विभिन्न प्रकारों को उदाहरण सहित दिखाइए।

3. Write an essay in Pāli on 'Cattāri Ariyasaccāni'. 50

'चत्तारि अरियसच्चानि' पर पालि में एक निबंध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay in Pāli on 'Bhagavā Buddho'.

'भगवा बुद्धो' पर पालि में एक निबंध लिखिए।

SECTION—II

खण्ड—II

4. Answer the following short answer-type questions : 10×5=50

निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) What is Pātimokkha? Throw light on the Bhikkhu and Bhikkhuṇī Pātimokkha.

पातिमोक्ख क्या है? भिक्खु एवं भिक्खुणी पातिमोक्ख पर प्रकाश डालिए।

(b) What is Abhidhamma? Proving that Abhidhamma is the word of Buddha, throw brief light on Pāli Abhidhammapiṭaka.

अभिधम्म क्या है? अभिधम्म बुद्धवचन है इसे सिद्ध करते हुए पालि अभिधम्मपिटक पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

(c) Describe the happiness of the householder life according to 'Dhaniyasutta' of the *Suttanipāta*.

'सुत्तनिपात' के 'धनियसुत्त' के अनुसार गार्हस्थ्य सुख का वर्णन कीजिए।

(d) Translate the following passage *either* in Hindi *or* English :

निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

tena kho pana samayena jīvako komārabhacco rañño māgadhassa ajātasattussa vedehiputtassa avidūre tuṇhībhūto nisinno hoti. atha kho rājā māgadho ajātasattu vedehiputto jīvakaṃ komārabhaccaṃ etadavoca—''tvaṃ pana, samma jīvaka, kiṃ tuṇhī''ti? ''ayaṃ, deva, bhagavā arahaṃ sammāsambuddho amhākaṃ ambavane viharati mahatā bhikkhusaṅghena saddhiṃ aḍḍhateḷasehi bhikkhusatehi. taṃ kho pana bhagavantaṃ evaṃ kalyāṇo kittisaddo abbhuggato—''itipi so bhagavā arahaṃ sammāsambuddho vijjācaraṇasampanno sugato lokavidū anuttaro purisadammasārathi satthā devamanussānaṃ buddho bhagavā''ti. taṃ devo bhagavantaṃ payirupāsatu. appeva nāma devassa bhagavantaṃ payirupāsato cittaṃ pasīdeyyā''ti.

तेन खो पन समयेन जीवको कोमारभच्चो रञ्ञो मागधस्स अजातसत्तुस्स वेदेहिपुत्तस्स अविदूरे तुण्हीभूतो निसिन्नो होति। अथ खो राजा मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो जीवकं कोमारभच्चं एतदवोच—''त्वं पन, सम्म जीवक, किं तुण्ही''ति? ''अयं, देव, भगवा अरहं सम्मासम्बुद्धो अम्हाकं अम्बवने विहरति महता भिक्खुसङ्घेन सद्धिं अड्ढतेळसेहि भिक्खुसतेहि। तं खो पन भगवन्तं एवं कल्याणो कित्तिसद्दो अब्भुग्गतो—''इतिपि सो भगवा अरहं सम्मासम्बुद्धो विज्जाचरणसम्पन्नो सुगतो लोकविदू अनुत्तरो पुरिसदम्मसारथि सत्था देवमनुस्सानं बुद्धो भगवा''ति। तं देवो भगवन्तं पयिरुपासतु। अप्पेव नाम देवस्स भगवन्तं पयिरुपासतो चित्तं पसीदेय्या''ति।

(e) Translate the following verse *either* in Hindi *or* English :

निम्नलिखित गाथा का हिंदी **या** अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

na hi verena verāni, sammantīdha
kudācanaṃ।
averena ca sammanti, esa dhammo
sanantano ॥

pare ca na vijānanti, mayamettha
yamāmase।
ye ca tattha vijānanti, tato sammanti
medhagā ॥

subhānupassiṃ viharantaṃ, indriyesu
asaṃvutaṃ।
bhojanamhi cāmattaññuṃ, kusītaṃ
hīnavīriyaṃ।
taṃ ve pasahati māro, vāto rukkhaṃva
dubbalaṃ॥

न हि वेरेन वेरानि, सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो॥

परे च न विजानन्ति, मयमेत्थ यमामसे।
ये च तत्थ विजानन्ति, ततो सम्मन्ति मेधगा॥

सुभानुपस्सिं विहरन्तं, इन्द्रियेसु असंवुतं।
भोजनम्हि चामत्तञ्ञुं, कुसीतं हीनवीरियं।
तं वे पसहति मारो, वातो रुक्खंव दुब्बलं॥

5. Throw light on the Third Buddhist Council and mention its contribution in the development of Buddhism. 50

तृतीय बौद्ध सङ्गीति पर प्रकाश डालिए एवं बौद्ध धर्म के विकास में इसके योगदान का उल्लेख कीजिए।

OR / अथवा

Explaining the concept of the Bodhisattva, give a detailed account of the Pāli Jātaka.

बोधिसत्व की अवधारणा की व्याख्या करते हुए पालि जातक का एक विस्तृत विवरण दीजिए।

6. Write an essay in Pāli on Nibbāna. 50

निब्बान पर पालि में एक निबंध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay in Pāli on Sīla.

सील पर पालि में एक निबंध लिखिए।

★★★